IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
Science | Engineering | Technology

ISSN(O): 2319-8753
ISSN(P): 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science Engineering and Technology (IJIRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

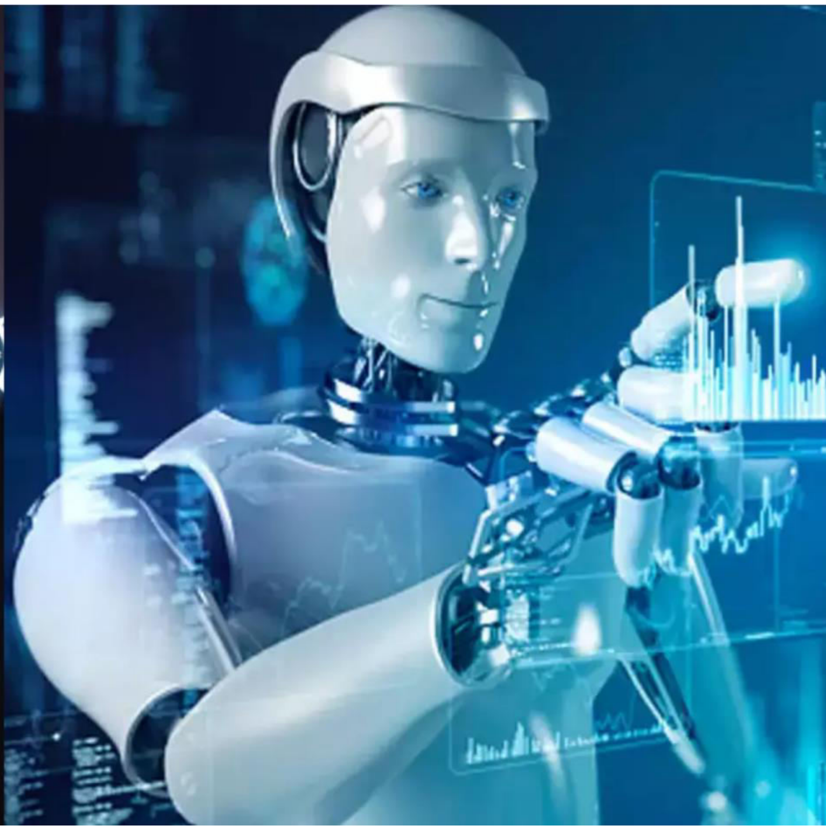

Impact Factor: 8.524

Volume 14, Issue 1, January 2025

www.ijirset.com ijirset@gmail.com +91-9940572462 +91 63819 07438

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.524

|www.ijirset.com |A Monthly, Peer Reviewed & Refereed Journal| e-ISSN: 2319-8753| p-ISSN: 2347-6710|

Volume 14, Issue 1, January 2025

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2025.1401102|

'आगरा मण्डल में औद्योगिक विकास स्तरों का भौगोलिक अध्ययन'

* सरिता यादव

(शोधार्थी) भूगोल विभाग,
आदर्शकृष्ण महाविद्यालय,
शिकोहाबाद, फिरोजाबाद (उ.प्र.)

औद्योगिक विकास से आशय है कि उत्पादन से जुड़े कार्यों में लगातार बदलाव तथा उत्पादन को बढ़ाना। औद्योगिक विकास से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। औद्योगिक विकास के लिये नये उद्योगों का विकास तथा उनके लिये नये बाजार की खोज करना होता है।[1] औद्योगिक विकास से तात्पर्य आर्थिक विकास और अर्न्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा द्वारा संचालित प्रक्रिया से है जो देश की नवाचार प्रणाली को बढ़ाने के लिये सरकारी सहायता अनुसंधान सब्सिडी और उद्योग, सरकार, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग के माध्यम से प्रौद्योगिकी गहन उद्योगों को आगे बढ़ाने पर केन्द्रित है।[2]

उद्योगों के विकास में अभिसंचरनात्मक सुविधाओं में विद्युत, परिवहन, संचार तन्त्र, स्वास्थ्य तथा शिक्षा आर्थिक विकास कार्यक्रम में अद्वितीय भूमिका निर्वहन करते हैं।[3]

<u>अध्ययन क्षेत्र परिचय</u> :

आगरा मण्डल का अक्षांशीय विस्तार 26°45' से 28° उत्तर तक तथा देशान्तरीय विस्तार 77°17' पूर्व से 79°25' पूर्व तक है। आगरा मण्डल 12498 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र पर विस्तृत है। आगरा मण्डल का विस्तार उत्तर से दक्षिण की ओर 190 किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम की ओर 120 किलोमीटर है। मण्डल में कुल चार जनपद क्रमशः मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद तथा मैनपुरी हैं। प्रशासनिक दृष्टि से 17 तहसील, 43 विकासखण्ड, 364 न्याय पंचायत, 2131 ग्राम पंचायत, 3484 ग्राम जिसमें 3253 आबाद

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.524

|www.ijirset.com |A Monthly, Peer Reviewed & Refereed Journal| e-ISSN: 2319-8753| p-ISSN: 2347-6710|

Volume 14, Issue 1, January 2025

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2025.1401102|

ग्राम तथा 231 गैर आबाद ग्राम हैं। मण्डल में 2 नगर निगम, 1813 नगर पालिका परिषद तथा 30 नगर पंचायत केन्द्र हैं। मण्डल में कुल 6318219 जनसंख्या है।

अध्ययन के उद्देश्य :

अध्ययन क्षेत्र आगरा मण्डल में अध्ययन के उद्देश्य निम्नवत् हैं :–

1– आगरा मण्डल की भौगोलिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।

2– क्षेत्रीय विषमताओं का अध्ययन करना।

3– औद्योगिक विकास प्रदेशों का सीमांकन करना।

4– समस्या समाधान व सुझाव प्रस्तुत करना।

विधि तन्त्र :

प्रस्तुत शोध पत्र पूर्ण करने के लिए शोधार्थिनी ने प्राथमिक व द्वितीयक आँकड़ों का संकलन किया है। परिणामस्वरूप उनका विश्लेषण एवं तालिकाकरण कर उनसे निष्कर्ष स्थापित किये हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न शोध विद्वानों द्वारा अपनायी गयी विधियों व संकल्पनाओं का यहाँ समावेश कर अध्ययन पूर्ण किया है। अध्ययन का आधार तहसील क्षेत्र को लिया है।

औद्योगिक विकास के स्तरों का निर्धारण :

औद्योगिक विकास स्तर आंकलन के लिये क्षेत्र में औद्योगिक विकास विचरों का आंकलन तहसील स्तर पर तालिका 1.1 से लेकर 1.3 तक किया गया है :

तालिका – 1.1 : आगरा मण्डल : लघु उद्योग

संख्या	*स्तर*	*कोटि गुणांक*	*तहसील*	*संख्या*	*प्रतिशत*
1500 से कम	न्यून	1	बलदेव, मांट, खैरागढ़, बाह, जसराना, करहल	6	35.29
1500 से 1600	मध्यम	2	छाता, किरावली, फतेहाबाद, टूण्डला, भोगाँव	5	29.42
1600 से अधिक	उच्च	3	मथुरा, आगरा, एत्मादपुर,	6	35.29

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.524

|www.ijirset.com |A Monthly, Peer Reviewed & Refereed Journal| e-ISSN: 2319-8753| p-ISSN: 2347-6710|

Volume 14, Issue 1, January 2025

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2025.1401102|

			फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, मैनपुरी		
योग	–	–	–	17	100.00

तालिका – 1.2 : आगरा मण्डल : प्रति 10 हजार जनसंख्या पर लघु उद्योग इकाइयां

संख्या	*स्तर*	*कोटि गुणांक*	*तहसील*	*संख्या*	*प्रतिशत*
21 से कम	न्यून	1	छाता, बलदेव, खैरागढ़, बाह, टूण्डला, जसराना	6	35.29
21 से 23	मध्यम	2	मांट, किरावली, फतेहाबाद, करहल	4	23.53
23 से अधिक	उच्च	3	मथुरा, आगरा, एत्मादपुर, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, भोगाँव, मैनपुरी	7	41.17
योग	–	–	–	17	100.00

तालिका – 1.3 : आगरा मण्डल : लघु उद्योग में लगे श्रमिकों का प्रतिशत

प्रतिशत	*स्तर*	*कोटि गुणांक*	*तहसील*	*संख्या*	*प्रतिशत*
12 से कम	न्यून	1	मथुरा, छाता, एत्मादपुर, किरावली, जसराना, करहल	6	35.29
12 से 14	मध्यम	2	मांट, बाह, फतेहाबाद, खैरागढ़, टूण्डला, भोगाँव	6	35.29
14 से अधिक	उच्च	3	बलदेव, आगरा, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, मैनपुरी	5	29.42
योग	–	–	–	17	100.00

अध्ययन क्षेत्र में औद्योगक विकास स्तर आंकलन के लिये शोधार्थिनी ने चयनित तीन विचरों का सकल कोटि गुणांक निर्धारित किया है। जिसमें कम से कम 3 कोटि भार तथा अधिक से अधिक 9 कोटि भार प्राप्त हुआ है। समस्त भार का माध्य निकाला गया है तथा मानक विचलन का भी निर्धारण किया है। अध्ययन क्षेत्र में प्राप्त माध्य से कम वाले तहसील क्षेत्र न्यून औद्योगिक प्रदेश तथा माध्य+मानक विचलन (SD) वाले तहसील क्षेत्र मध्यम औद्योगिक प्रदेश तथा माध्य+मानक विचलन से अधिक वाले उच्च

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.524

|www.ijirset.com |A Monthly, Peer Reviewed & Refereed Journal| e-ISSN: 2319-8753| p-ISSN: 2347-6710|

Volume 14, Issue 1, January 2025

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2025.1401102|

औद्योगिक प्रदेश की श्रेणी में सीमांकित किये गये हैं। औद्योगिक प्रदेशों को तालिका 1.4 में प्रदर्शित किया गया है :

तालिका – 1.4 : आगरा मण्डल : औद्योगिक विकास स्तर प्रदेश

सकल कोटि भार	*स्तर*	*तहसील*	*संख्या*	*प्रतिशत*
6 से कम	न्यून	मांट, बलदेव, छाता, खैरागढ़, बाह, किरावली, टूण्डला, जसराना, करहल	9	52.94
6 से 8	मध्यम	मथुरा, एत्मादपुर, फतेहाबाद, भोगाँव	4	23.53
8 से अधिक	उच्च	आगरा, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, मैनपुरी	4	23.53
योग	–	–	17	100.00

Note- M=6 Sd=2

1. निम्न औद्योगिक विकास स्तर प्रदेश :

इस वर्ग में उन तहसीलों को सम्मिलित किया गया है जिनमें माध्य से कम सकल भार है इनमें अध्ययन क्षेत्र का आधे से अधिक भू–भाग सम्मिलित है। इनमें मांट, बलदेव, छाता, खैरागढ़, बाह, किरावली, टूण्डला, जसराना तथा करहल तहसील सम्मिलित हैं। इन क्षेत्रों में उद्योगों का अभाव देखने को मिलता है। यहाँ पर शासन–प्रशासन की तरफ से भी अभी तक उद्योग स्थापित के लिये ठोस उपाय नहीं किये गये हैं। यहाँ लघु स्तरीय उद्योग स्थापित होने की पर्याप्त सम्भावनायें हैं।

2. मध्यम औद्योगिक विकास स्तर प्रदेश :

इस वर्ग में अध्ययन क्षेत्र की चार तहसीलें सम्मिलित हैं इनमें माध्य+माध्य मानक विचलन वाले अर्थात् 6 से 6+2=8 सकल भार वाले तहसील क्षेत्र हैं। इसमें मथुरा, एत्मादपुर, फतेहाबाद तथा भोगाँव तहसीलें सम्मिलित की गयी हैं। इन क्षेत्रों में प्रयास किये जायें तो ये क्षेत्र उच्च औद्योगिक प्रदेश की श्रेणी में सम्मिलित हो सकते हैं क्यों कि उद्योग स्थापित होने की सारी सुविधायें हैं लेकिन अभिसंरचनात्मक सुविधाओं का

|www.ijirset.com |A Monthly, Peer Reviewed & Refereed Journal| e-ISSN: 2319-8753| p-ISSN: 2347-6710|

Volume 14, Issue 1, January 2025

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2025.1401102|

अभाव है जिस कारण उद्योग स्थापित नहीं हो पा रहे हैं। इसके लिये सरकार को ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

3. उच्च औद्योगिक विकास स्तर प्रदेश :

जैसा कि तालिका 1.4 में प्रदर्शित है कि माध्य+मानक विचलन से अधिक सकल भार वाले तहसील क्षेत्र इस वर्ग में समाहित हैं। इसमें आगरा मण्डल की 4 तहसीलों को सम्मिलित किया गया है इनमें आगरा, फिरोजाबाद शिकोहाबाद तथा मैनपुरी तहसील सम्मिलित हैं।

निष्कर्ष एवं सुझाव :

अध्ययन क्षेत्र में औद्योगिक विकास का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि यहाँ विकास की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। मण्डल में 9 तहसीलें ऐसी हैं जहाँ पर निम्न औद्योगिक प्रदेश हैं उद्योग ना के बराबर है लेकिन उद्योगों के लिये पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल व बाजार केन्द्रित हैं। इनमें शासन प्रशासन की नीतियों व कार्यक्रमों को सही दिशा में क्रियान्वित किया जाये तो उद्योग यहाँ पर स्थापित हो सकते हैं। निम्न स्तर की तहसीलों को मध्यम स्तर में आसानी के साथ लाया जा सकता है। इसी प्रकार मध्यम स्तर में मथुरा, एत्मादपुर, भोगाँव तथा फतेहाबाद हैं इनको अल्प प्रयास से उच्च श्रेणी में पहुँचाया जा सकता है। उच्च औद्योगिक प्रदेश में 4 तहसील सम्मिलित हैं इनमें आगरा, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद तथा मैनपुरी हैं। इन तहसीलों में अभिसंरचनात्मक सेवाओं जैसे विद्युत, जल आपूर्ति, सड़क, बाजार, निवेश, कच्चे माल आदि और अधिक सुदृढ़ किया जाये तो यह औद्योगिक प्रदेश विश्व स्तरीय स्थापित हो सकते हैं। ऐसा शोधार्थिनी का मानना है।

सन्दर्भ–सूची / References :

1. Singh, B.B. (1988) : Agro Industrial Integration A Modal or Rural Development, Gorakhpur, P-179.
2. अन्र्तराष्ट्रीय पुस्तिका (2003) नवाचार।
3. Prakash S. (1977) : Regional inequalities and EconomicDevelopment with Special Reference to Infra-structural Facilities in Indian Journal of Regional Sciences Vol. IX No. 2, PP-172.

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

doi crossref

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com